

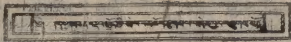


Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN21368	ImageGroup:	I3CN21383
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	གསུང་འབུམ། ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། gsung 'bum/ tA ra nA tha/
Author:	ཏཱ་ར་ནཱ་ཐ། tA ra nA tha
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	14
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2019





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं



सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं
सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च द्रुपदश्च
 भीमार्जुनसङ्गाः सावित्त्युत-
 मध्वानां च तत्र महाभारतम् ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten Indic script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of names or titles written in Devanagari script.)

卷之五

[illegible]

[illegible]



॥ अथ श्रीगणेशोत्थानम् ॥

महाराष्ट्र

॥ अथ ह्युक्तं ॥

卷之四

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

978-0-950654-40-3

पञ्चमः ।

1904
1905
1906
1907
1908
1909
1910
1911
1912
1913
1914
1915
1916
1917
1918
1919
1920
1921
1922
1923
1924
1925
1926
1927
1928
1929
1930
1931
1932
1933
1934
1935
1936
1937
1938
1939
1940
1941
1942
1943
1944
1945
1946
1947
1948
1949
1950
1951
1952
1953
1954
1955
1956
1957
1958
1959
1960
1961
1962
1963
1964
1965
1966
1967
1968
1969
1970
1971
1972
1973
1974
1975
1976
1977
1978
1979
1980
1981
1982
1983
1984
1985
1986
1987
1988
1989
1990
1991
1992
1993
1994
1995
1996
1997
1998
1999
2000
2001
2002
2003
2004
2005
2006
2007
2008
2009
2010
2011
2012
2013
2014
2015
2016
2017
2018
2019
2020
2021
2022
2023
2024
2025
2026
2027
2028
2029
2030
2031
2032
2033
2034
2035
2036
2037
2038
2039
2040
2041
2042
2043
2044
2045
2046
2047
2048
2049
2050
2051
2052
2053
2054
2055
2056
2057
2058
2059
2060
2061
2062
2063
2064
2065
2066
2067
2068
2069
2070
2071
2072
2073
2074
2075
2076
2077
2078
2079
2080
2081
2082
2083
2084
2085
2086
2087
2088
2089
2090
2091
2092
2093
2094
2095
2096
2097
2098
2099
2100
2101
2102
2103
2104
2105
2106
2107
2108
2109
2110
2111
2112
2113
2114
2115
2116
2117
2118
2119
2120
2121
2122
2123
2124
2125
2126
2127
2128
2129
2130
2131
2132
2133
2134
2135
2136
2137
2138
2139
2140
2141
2142
2143
2144
2145
2146
2147
2148
2149
2150
2151
2152
2153
2154
2155
2156
2157
2158
2159
2160
2161
2162
2163
2164
2165
2166
2167
2168
2169
2170
2171
2172
2173
2174
2175
2176
2177
2178
2179
2180
2181
2182
2183
2184
2185
2186
2187
2188
2189
2190
2191
2192
2193
2194
2195
2196
2197
2198
2199
2200
2201
2202
2203
2204
2205
2206
2207
2208
2209
2210
2211
2212
2213
2214
2215
2216
2217
2218
2219
2220
2221
2222
2223
2224
2225
2226
2227
2228
2229
2230
2231
2232
2233
2234
2235
2236
2237
2238
2239
2240
2241
2242
2243
2244
2245
2246
2247
2248
2249
2250
2251
2252
2253
2254
2255
2256
2257
2258
2259
2260
2261
2262
2263
2264
2265
2266
2267
2268
2269
2270
2271
2272
2273
2274
2275
2276
2277
2278
2279
2280
2281
2282
2283
2284
2285
2286
2287
2288
2289
2290
2291
2292
2293
2294
2295
2296
2297
2298
2299
2300
2301
2302
2303
2304
2305
2306
2307
2308
2309
2310
2311
2312
2313
2314
2315
2316
2317
2318
2319
2320
2321
2322
2323
2324
2325
2326
2327
2328
2329
2330
2331
2332
2333
2334
2335
2336
2337
2338
2339
2340
2341
2342
2343
2344
2345
2346
2347
2348
2349
2350
2351
2352
2353
2354
2355
2356
2357
2358
2359
2360
2361
2362
2363
2364
2365
2366
2367
2368
2369
2370
2371
2372
2373
2374
2375
2376
2377
2378
2379
2380
2381
2382
2383
2384
2385
2386
2387
2388
2389
2390
2391
2392
2393
2394
2395
2396
2397
2398
2399
2400
2401
2402
2403
2404
2405
2406
2407
2408
2409
2410
2411
2412
2413
2414
2415
2416
2417
2418
2419
2420
2421
2422
2423
2424
2425
2426
2427
2428
2429
2430
2431
2432
2433
2434
2435
2436
2437
2438
2439
2440
2441
2442
2443
2444
2445
2446
2447
2448
2449
2450
2451
2452
2453
2454
2455
2456
2457
2458
2459
2460
2461
2462
2463
2464
2465
2466
2467
2468
2469
2470
2471
2472
2473
2474
2475
2476
2477
2478
2479
2480
2481
2482
2483
2484
2485
2486
2487
2488
2489
2490
2491
2492
2493
2494
2495
2496
2497
2498
2499
2500
2501
2502
2503
2504
2505
2506
2507
2508
2509
2510
2511
2512
2513
2514
2515
2516
2517
2518
2519
2520
2521
2522
2523
2524
2525
2526
2527
2528
2529
2530
2531
2532
2533
2534
2535
2536
2537
2538
2539
2540
2541
2542
2543
2544
2545
2546
2547
2548
2549
2550
2551
2552
2553
2554
2555
2556
2557
2558
2559
2560
2561
2562
2563
2564
2565
2566
2567
2568
2569
2570
2571
2572
2573
2574
2575
2576
2577
2578
2579
2580
2581
2582
2583
2584
2585
25

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

मन्त्रिणां चत्वारः शतं

१०११५०७७

18-10-1944

126

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1900

अथर्ववेदः

सुप्रसन्नपदमस्तु नमः । सुप्रसन्नपदमस्तु नमः ।

संख्या ५४५२९३ संख्या ५४५२९३

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सदा ॥
 परमात्मनो ह्यनुमोल्य साधुर्हियमाणाः
 बभूवुर्बलवानाम् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

卷之六

29

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

五、

८८५५अनूपम

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मन्त्रः पञ्चमः पदेयः पञ्चमः पदेयः पञ्चमः पदेयः पञ्चमः पदेयः

विष्णुपञ्चमस्तु

37

[Faint handwritten Devanagari script]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ गायत्री यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा यद्वा ॥

ਦੀ ਭਰਪੂਰ ਭਰਮਰੀ

॥ २५ ॥

कृष्णाय नमः

1554

पञ्चमः प्रश्नः

कथा कथयति सुविद्वत्पुत्रस्यैव

॥ अथ ध्यायेत्पुनः सर्वद्वन्द्वं तदा विनाशो भवेत् ॥

सुखं पुत्रं वरं कुरु रविपुत्रं सुधा-

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुस्तक संख्या १२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९१००१०११०२१०३१०४१०५१०६१०७१०८१०९११०१११११२११३११४११५११६११७११८११९१२०१२११२२१२३१२४१२५१२६१२७१२८१२९१३०१३१३२१३३१३४१३५१३६१३७१३८१३९१४०१४१४२१४३१४४१४५१४६१४७१४८१४९१५०१५१५२१५३१५४१५५१५६१५७१५८१५९१६०१६१६२१६३१६४१६५१६६१६७१६८१६९१७०१७१७२१७३१७४१७५१७६१७७१७८१७९१८०१८१८२१८३१८४१८५१८६१८७१८८१८९१९०१९१९२१९३१९४१९५१९६१९७१९८१९९२००१००१००२१००३१००४१००५१००६१००७१००८१००९१०१०१०१११०१२१०१३१०१४१०१५१०१६१०१७१०१८१०१९१०२०१०२११०२२१०२३१०२४१०२५१०२६१०२७१०२८१०२९१०३०१०३११०३२१०३३१०३४१०३५१०३६१०३७१०३८१०३९१०४०१०४११०४२१०४३१०४४१०४५१०४६१०४७१०४८१०४९१०५०१०५११०५२१०५३१०५४१०५५१०५६१०५७१०५८१०५९१०६०१०६११०६२१०६३१०६४१०६५१०६६१०६७१०६८१०६९१०७०१०७११०७२१०७३१०७४१०७५१०७६१०७७१०७८१०७९१०८०१०८११०८२१०८३१०८४१०८५१०८६१०८७१०८८१०८९१०९०१०९११०९२१०९३१०९४१०९५१०९६१०९७१०९८१०९९११०००११००११००२११००३११००४११००५११००६११००७११००८११००९११०१०११०११११०१२११०१३११०१४११०१५११०१६११०१७११०१८११०१९११०२०११०२१११०२२११०२३११०२४११०२५११०२६११०२७११०२८११०२९११०३०११०३१११०३२११०३३११०३४११०३५११०३६११०३७११०३८११०३९११०४०११०४१११०४२११०४३११०४४११०४५११०४६११०४७११०४८११०४९११०५०११०५१११०५२११०५३११०५४११०५५११०५६११०५७११०५८११०५९११०६०११०६१११०६२११०६३११०६४११०६५११०६६११०६७११०६८११०६९११०७०११०७१११०७२११०७३११०७४११०७५११०७६११०७७११०७८११०७९११०८०११०८१११०८२११०८३११०८४११०८५११०८६११०८७११०८८११०८९११०९०११०९१११०९२११०९३११०९४११०९५११०९६११०९७११०९८११०९९१११००१११००२१११००३१११००४१११००५१११००६१११००७१११००८१११००९१११०१०१११०१११११०१२१११०१३१११०१४१११०१५१११०१६१११०१७१११०१८१११०१९१११०२०१११०२११११०२२१११०२३१११०२४१११०२५१११०२६१११०२७१११०२८१११०२९१११०३०१११०३११११०३२१११०३३१११०३४१११०३५१११०३६१११०३७१११०३८१११०३९१११०४०१११०४११११०४२१११०४३१११०४४१११०४५१११०४६१११०४७१११०४८१११०४९१११०५०१११०५११११०५२१११०५३१११०५४१११०५५१११०५६१११०५७१११०५८१११०५९१११०६०१११०६११११०६२१११०६३१११०६४१११०६५१११०६६१११०६७१११०६८१११०६९१११०७०१११०७११११०७२१११०७३१११०७४१११०७५१११०७६१११०७७१११०७८१११०७९१११०८०१११०८११११०८२१११०८३१११०८४१११०८५१११०८६१११०८७१११०८८१११०८९१११०९०१११०९११११०९२१११०९३१११०९४१११०९५१११०९६१११०९७१११०९८१११०९९११११००११११००२११११००३११११००४११११००५११११००६११११००७११११००८११११००९११११०१०११

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

१५३४

सत्यं दुःखं विषयं च दम्यन्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुनर्वसन

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple columns of handwritten text in Devanagari script. The ink is dark, and the paper appears aged. There are some stains and wear visible on the surface.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

1854

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काशिराज उवाच । पाण्डवस्यैव तत्र भूमिस्तथापि मेधावतः ।
अर्जुन उवाच । द्रुपद उवाच । पाण्डवस्यैव तत्र भूमिस्तथापि मेधावतः ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काशिराज उवाच । पाण्डवस्यैव तत्र भूमिस्तथापि मेधावतः ।

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

卷之五

[The text in this image is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[illegible]

महामाया रघुनाथस्य पुत्राय नमः । सदा सुखं दत्तवान्महादेवः ।
 तस्मात्पुत्राय नमः । सदा सुखं दत्तवान्महादेवः ।
 तस्मात्पुत्राय नमः । सदा सुखं दत्तवान्महादेवः ।
 तस्मात्पुत्राय नमः । सदा सुखं दत्तवान्महादेवः ।
 तस्मात्पुत्राय नमः । सदा सुखं दत्तवान्महादेवः ।

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a series of handwritten entries or notes.]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Main body of handwritten text in Devanagari script, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. It appears to be a historical document or a manuscript page, possibly containing a list or a detailed account. The script is cursive and somewhat faded, characteristic of older handwritten documents. There are several lines that appear to be crossed out or heavily scribbled over, particularly in the middle section. The text is written in black ink on aged, slightly discolored paper.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and somewhat faded, suggesting it is an older document. The text appears to be a mix of prose and possibly some verses or specific terminology. The first line starts with a small symbol that looks like a '3' or a similar character. The text continues across the page with varying line lengths and some internal spacing. The overall appearance is that of a historical or literary document.

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
पद्मं पश्यन्नुत्तमं । अथ वक्ष्यामि त्वम् । कुर्वन्ति यः परमात्मनो हृदि लब्ध्वा
पद्मं पश्यन्नुत्तमं । अथ वक्ष्यामि त्वम् । कुर्वन्ति यः परमात्मनो हृदि लब्ध्वा
पद्मं पश्यन्नुत्तमं । अथ वक्ष्यामि त्वम् । कुर्वन्ति यः परमात्मनो हृदि लब्ध्वा

परिष्कारके अर्थको

सिद्धिद्वयसंज्ञकः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सर्वदेवतासु सर्वदेवतासु सर्वदेवतासु

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संस्कृत

[illegible]

Figure 1

231

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

दशमस्यपक्षः ॥ दशमस्यपक्षः ॥

५५ अथ श्री

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ अथ विष्णुसहस्रनाम ॥

159

328

1997

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

५५

155

1890

देवदत्तचरणस्य चरणे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

संस्कृत-भाषा-विभाग

[illegible]

1992

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

১৯২১

[illegible]

57

1944

५७५

১৯৩৩-৩৪

मन्त्रालय के कार्यालय में

1997

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1975 年 10 月 10 日 星期日 10 月 10 日 星期日 10 月 10 日 星期日

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

正德九年五月

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

1954-1955

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥
 तस्मात्तवाक्यं शृत्वा सन्निभं प्रोक्षणमुबध्नुः ॥
 स्फुरन्मुखो विप्रो विश्वामित्रो वीर्यवान् ॥
 बभूवुः पश्यन् सर्वम् ॥

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

[illegible]

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

521

[illegible]

20

[illegible]

三、

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

Handwritten text in a script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular border. The text is dense and appears to be a continuous passage, possibly a religious or philosophical treatise. The script is cursive and somewhat faded, characteristic of older manuscripts. The lines are roughly as follows:
1. ...
2. ...
3. ...
4. ...
5. ...
6. ...
7. ...
8. ...
9. ...
10. ...

1991

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

५०। अथ दशमोऽध्यायः । विष्णु उवाच । भगवन् । त्वं ब्रह्माणां प्रसन्नः सदा निजम् ।
 हृदये धारयस्व शिवं परब्रह्मदेवताम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् ।
 त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् ।
 त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् ।
 त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् । त्वं हि साक्षात्पश्यस्यसि मे कृतार्थम् ।

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

三

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense collection of handwritten characters, possibly Devanagari script.]

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खध्वजाढरा ॥
 गजघ्नैश्चैतानि यस्मात्पाण्डवो जहात ॥ १ ॥

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

1. *[Faint handwritten text, likely a list or index, spanning multiple lines across the page.]*

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is cursive and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The first line begins with a large, stylized character, possibly 'ॐ' (Om). The text continues with various words and phrases, some of which are repeated. The final line ends with a period or a similar punctuation mark.

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि
 त्वं हि बभूवुः । १ ॥ कर्ण उवाच ॥ पाण्डवस्य ते माता । इमांश्च पराक्त्रियान् ।
 त्वमेव प्रहस्यसे वीर्यवान् । २ ॥ भीम उवाच ॥ पाण्डवस्य ते माता । इमांश्च पराक्त्रियान् ।
 त्वमेव प्रहस्यसे वीर्यवान् । ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डवस्य ते माता । इमांश्च पराक्त्रियान् ।
 त्वमेव प्रहस्यसे वीर्यवान् । ४ ॥ युधिष्ठिर उवाच ॥ पाण्डवस्य ते माता । इमांश्च पराक्त्रियान् ।
 त्वमेव प्रहस्यसे वीर्यवान् । ५ ॥

[illegible]

29

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

15

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

卷之四

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

五

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

पद सुखेयमेति तत्राव उच्यते योऽप्यसौ । नैतत्सुखं विनाशाय ॥
 मित्तम् । अथ ह्यसौ चरन्त्यसौ मुनिर्वाचकः । कुर्वन्त्यसौ चरन्त्यसौ मुनिर्वाचकः ।
 ये चरन्त्यसौ । अपराधमिहिरिति वाच्यम् । अपराधमिहिरिति वाच्यम् ।
 पदसूत्रम् । योऽप्यसौ चरन्त्यसौ मुनिर्वाचकः । नैतत्सुखं विनाशाय ॥
 ये चरन्त्यसौ । अपराधमिहिरिति वाच्यम् । अपराधमिहिरिति वाच्यम् ।
 पदसूत्रम् । योऽप्यसौ चरन्त्यसौ मुनिर्वाचकः । नैतत्सुखं विनाशाय ॥
 ये चरन्त्यसौ । अपराधमिहिरिति वाच्यम् । अपराधमिहिरिति वाच्यम् ।

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनराः ॥
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपद आचार्य महारथी त्वमेव मे गुरुः
 त्वया प्रसादात् प्राप्ता विद्या मया ॥
 त्वं हि मे गुरुः शिष्यस्तु मे वरुणभ्राता
 त्वं हि मे गुरुः शिष्यस्तु मे वरुणभ्राता ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनराः ॥

[illegible]

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

(The following text is highly faded and illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a dense handwritten manuscript.)

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a classical Indian language. The text is written in black ink on a light-colored, aged paper. The lines of text are roughly parallel, with some variations in spacing and alignment. The overall appearance is that of a historical document or a religious text.

[illegible]

卷之五

१२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

五

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

理學

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

卷之四

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

॥ स्याद्योगोवाक्यस्य दण्डस्य उक्त्या ॥ अथ ॥ अथ ॥ अथ ॥ अथ ॥

५-विद्वत्पुत्राय नमः ॥ १ ॥

[illegible]

लोचनमुद्रायाः अथ रङ्गद्वयं पश्य

संस्कृत-विद्यापीठ, मुंबई

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

卷之五
 五言古詩
 五言律詩
 五言絕句
 五言排律
 五言長句
 五言歌行
 五言雜詩
 五言雜體

इत्युक्तम्

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

1991

...

...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 यद्यपि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥
 तदा द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं हृदि ध्यायेत् ॥
 पश्यैष शूराचार्यः प्रह्लाद उवाच ॥
 अत्र द्रुपद उवाच ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां
 अष्टाध्याये अर्जुनसंवादो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥

[illegible]

123456789

[illegible]

[illegible]

22

[illegible]

17

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or ledger. The text is organized into columns and rows, with some entries appearing to be dates or numerical values. The script is dense and fills most of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a collection of handwritten notes or verses.]

[illegible]

卷之五

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ १ ॥

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain Sanskrit or Hindi script.)

2

1954-1955 年

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint bleed-through from the reverse side of the page]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with text written in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and significant fading, the specific words and characters are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]



[illegible]

[illegible]

३३

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

पुनरेवमपि

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

अथ चतुर्थोऽङ्कः ।
 पञ्चमः ।
 अथ षष्ठोऽङ्कः ।
 अथ सप्तमोऽङ्कः ।
 अथ अष्टमोऽङ्कः ।
 अथ नवमोऽङ्कः ।
 अथ दशमोऽङ्कः ।
 अथ एकादशोऽङ्कः ।
 अथ द्वादशोऽङ्कः ।
 अथ त्रयोविंशोऽङ्कः ।
 अथ चत्वारिंशोऽङ्कः ।
 अथ पञ्चाशदङ्कः ।
 अथ शतिकाङ्कः ।
 अथ द्व्यङ्गुलिकान्तः ।

卷之四

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

(6)
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥
 कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥ कृष्णाय नमः ॥

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side.

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines across the page, with some words appearing to be in a different script or dialect. The handwriting is somewhat faded and the ink is dark.

[illegible]

王

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in several horizontal lines across the page. There are some markings above the main text, possibly indicating word boundaries or specific grammatical features. The handwriting is somewhat faded and the paper appears aged.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
 अष्टादशोऽध्यायः ॥
 द्रुपद उवाच ॥
 कुरुक्षेत्रे संभवन्निनादमुपासीत ॥
 विराट्स्थितश्चेकितानः पाण्डवस्य च ॥
 तदा शिरसा धत्तवानास्त्रं महात्मनः ॥
 ततो ज्ञात्वा प्राणान्सुता विश्वतस्तदा ॥
 आर्जुनस्य हृदि प्रविष्टं चाक्षयिणीम् ॥
 तदा शिरसा धत्तवानास्त्रं महात्मनः ॥
 ततो ज्ञात्वा प्राणान्सुता विश्वतस्तदा ॥
 आर्जुनस्य हृदि प्रविष्टं चाक्षयिणीम् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभ्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीमहेश्वराय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १२ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १४ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १५ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १८ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीमहामायाय नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

卷之五

[illegible]

सु. १०००

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten text at the bottom of the page)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 देवकीपुत्रः कुरुक्षेत्रे राक्षसां बलहिनम्
 वीर्यवान् द्रुपदपुत्रस्तथा युधिष्ठिरपुत्रम्
 भीमार्जुनसङ्घातौ शूराणां महाबलीनाम्
 धर्मधनुर्धरां तेषां कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्गाद्रिमुख्यः
 स वीर्यवान् द्रुपदपुत्रस्तथा युधिष्ठिरपुत्रम्
 भीमार्जुनसङ्घातौ शूराणां महाबलीनाम्
 धर्मधनुर्धरां तेषां कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्गाद्रिमुख्यः
 स वीर्यवान् द्रुपदपुत्रस्तथा युधिष्ठिरपुत्रम्
 भीमार्जुनसङ्घातौ शूराणां महाबलीनाम्
 धर्मधनुर्धरां तेषां कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः पांडवश्च दुर्गाद्रिमुख्यः

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अध्यायः पञ्चविंशतितमः । ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाह्वयः सन्निभो द्रुपद उवाच । ॥ २ ॥ पाण्डवस्यैव तनुर्मातङ्गः । शूराय नमः
पाण्डवस्यैव तनुर्मातङ्गः । शूराय नमः ॥ ३ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

251

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ इति श्री कृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्णोपाख्यानं समाप्तम् ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint handwritten Devanagari script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय ॥

[illegible]

[illegible]

(The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.)

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीनारायण उपाख्यानम् । इति श्रीभगवद्गीतायां अध्यासः ।
 १ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि शङ्खपाणिनः ॥
 २ । तदा द्रुपद उवाच । पाण्डव ! त्वैष मे गुरुर्धनराजः । परमहंसकृष्णार्जुनविग्रहः ॥
 ३ । स हि योगी महाबलवान्मुनिरप्रमत्तः । योगयोग्यैस्तथात्मैश्वर्यैः ॥
 ४ । तस्मात्त्वमन्तरात्मा तस्य हृदि निवस्य । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 ५ । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 ६ । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 ७ । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 ८ । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 ९ । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥
 १० । तस्मात्तु त्वं तस्यैव शिष्य इत्यनुजानीतम् । तस्यैव तत्त्वज्ञानं प्रदीप्तमिति विसृतम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a single paragraph of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之九

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a historical document or manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



हिन्दुत्व दिवस का आयोजन

... ..

विषयसूची

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

44-38861-1047

卷之四

वैद्यार्थ्य चरित्राणि अत्र

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अनुसूचकः

१०९९

993 74253 4

...
...
...

卷之四

15

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विद्यया मया प्रोक्तं यत्तु न पश्यन्ति। ॥ १॥

॥ १०० ॥

1954年12月

2007년 7월 9일 수요일

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सु. अ. ३८५२३५

1997

མཁའ་ལོ་ལྷན་དཔལ་དགུ་བཅུ་པ་།

१११. एतद्दत्तकृत्यव्यवस्थितं प्रथमं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1007 71 84 20 24 28 32 36 40 44 48 52 56 60 64 68 72 76 80 84 88 92 96 100

張其成

1945

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

21

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 26

[illegible]

1917

1990

THE

1907

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be handwritten script in Devanagari.]

पुस्तक संख्या १०५ पृष्ठ २३
यस्य नाम श्रीमद्भगवत्गीता
अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे
श्रीकृष्ण उवाच
धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
एवाहूय मामका पाण्डवश्च
तदा द्रुपद उवाच
सर्वस्वमुपासीत धर्ममात्मना
तदा श्रीकृष्ण उवाच
अर्जुन मया अहम्भक्तो विद्यमानः
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहूयतः
सोऽस्मिन् युद्धे प्राणां त्यज्यते
नेति चेन्न त्वं न ब्रूहि ननु
किञ्चित्करं हि युद्धं यत्प्रिय
सर्वस्वस्य परित्यागः सर्वदा
सर्वत्र सार्वजनिकः प्रकीर्त्यते
तथा हि युद्धं धर्मं चैव ह्यनुजानामि
तदा श्रीकृष्ण उवाच
अर्जुन मया अहम्भक्तो विद्यमानः
कुरुक्षेत्रे समवेता एवाहूयतः
सोऽस्मिन् युद्धे प्राणां त्यज्यते
नेति चेन्न त्वं न ब्रूहि ननु
किञ्चित्करं हि युद्धं यत्प्रिय
सर्वस्वस्य परित्यागः सर्वदा
सर्वत्र सार्वजनिकः प्रकीर्त्यते
तथा हि युद्धं धर्मं चैव ह्यनुजानामि

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

1871

123

विद्यया

五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

[illegible]

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

संस्कृत-विश्व-कोश

पुस्तक संख्या ७०५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पञ्चमः अङ्कः

ཡུལ་ལྷན་པ་དང་། རྒྱལ་པོ་པ་

1996-1997

[illegible]

॥ दगार दयसुद ददसुद ॥

विहमभरदा दुःखनिपत्य

...

17

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

১। সংসদ সংসদ সংসদ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मम प्रियं ॥ ५ ॥

1900

1000

10

4849987599

1997年12月

11. 1954. 1955. 1956. 1957. 1958. 1959. 1960. 1961. 1962. 1963. 1964. 1965. 1966. 1967. 1968. 1969. 1970. 1971. 1972. 1973. 1974. 1975. 1976. 1977. 1978. 1979. 1980. 1981. 1982. 1983. 1984. 1985. 1986. 1987. 1988. 1989. 1990. 1991. 1992. 1993. 1994. 1995. 1996. 1997. 1998. 1999. 2000. 2001. 2002. 2003. 2004. 2005. 2006. 2007. 2008. 2009. 2010. 2011. 2012. 2013. 2014. 2015. 2016. 2017. 2018. 2019. 2020. 2021. 2022. 2023. 2024. 2025. 2026. 2027. 2028. 2029. 2030. 2031. 2032. 2033. 2034. 2035. 2036. 2037. 2038. 2039. 2040. 2041. 2042. 2043. 2044. 2045. 2046. 2047. 2048. 2049. 2050. 2051. 2052. 2053. 2054. 2055. 2056. 2057. 2058. 2059. 2060. 2061. 2062. 2063. 2064. 2065. 2066. 2067. 2068. 2069. 2070. 2071. 2072. 2073. 2074. 2075. 2076. 2077. 2078. 2079. 2080. 2081. 2082. 2083. 2084. 2085. 2086. 2087. 2088. 2089. 2090. 2091. 2092. 2093. 2094. 2095. 2096. 2097. 2098. 2099. 2100. 2101. 2102. 2103. 2104. 2105. 2106. 2107. 2108. 2109. 2110. 2111. 2112. 2113. 2114. 2115. 2116. 2117. 2118. 2119. 2120. 2121. 2122. 2123. 2124. 2125. 2126. 2127. 2128. 2129. 2130. 2131. 2132. 2133. 2134. 2135. 2136. 2137. 2138. 2139. 2140. 2141. 2142. 2143. 2144. 2145. 2146. 2147. 2148. 2149. 2150. 2151. 2152. 2153. 2154. 2155. 2156. 2157. 2158. 2159. 2160. 2161. 2162. 2163. 2164. 2165. 2166. 2167. 2168. 2169. 2170. 2171. 2172. 2173. 2174. 2175. 2176. 2177. 2178. 2179. 2180. 2181. 2182. 2183. 2184. 2185. 2186. 2187. 2188. 2189. 2190. 2191. 2192. 2193. 2194. 2195. 2196. 2197. 2198. 2199. 2200. 2201. 2202. 2203. 2204. 2205. 2206. 2207. 2208. 2209. 2210. 2211. 2212. 2213. 2214. 2215. 2216. 2217. 2218. 2219. 2220. 2221. 2222. 2223. 2224. 2225. 2226. 2227. 2228. 2229. 2230. 2231. 2232. 2233. 2234. 2235. 2236. 2237. 2238. 2239. 2240. 2241. 2242. 2243. 2244. 2245. 2246. 2247. 2248. 2249. 2250. 2251. 2252. 2253. 2254. 2255. 2256. 2257. 2258. 2259. 2260. 2261. 2262. 2263. 2264. 2265. 2266. 2267. 2268. 2269. 2270. 2271. 2272. 2273. 2274. 2275. 2276. 2277. 2278. 2279. 2280. 2281. 2282. 2283. 2284. 2285. 2286. 2287. 2288. 2289. 2290. 2291. 2292. 2293. 2294. 2295. 2296. 2297. 2298. 2299. 2300. 2301. 2302. 2303. 2304. 2305. 2306. 2307. 2308. 2309. 2310. 2311. 2312. 2313. 2314. 2315. 2316. 2317. 2318. 2319. 2320. 2321. 2322. 2323. 2324. 2325. 2326. 2327. 2328. 2329. 2330. 2331. 2332. 2333. 2334. 2335. 2336. 2337. 2338. 2339. 2340. 2341. 2342. 2343. 2344. 2345. 2346. 2347. 2348. 2349. 2350. 2351. 2352. 2353. 2354. 2355. 2356. 2357. 2358. 2359. 2360. 2361. 2362. 2363. 2364. 2365. 2366. 2367. 2368. 2369. 2370. 2371. 2372. 2373. 2374. 2375. 2376. 2377. 2378. 2379. 2380. 2381. 2382. 2383. 2384. 2385. 2386. 2387. 2388. 2389. 2390. 2391. 2392. 2393. 2394. 2395. 2396. 2397. 2398. 2399. 2400. 2401. 2402. 2403. 2404. 2405. 2406. 2407. 2408. 2409. 2410. 2411. 2412. 2413. 2414. 2415. 2416. 2417. 2418. 2419. 2420. 2421. 2422. 2423. 2424. 2425. 2426. 2427. 2428. 2429. 2430. 2431. 2432. 2433. 2434. 2435. 2436. 2437. 2438. 2439. 2440. 2441. 2442. 2443. 2444. 2445. 2446. 2447. 2448. 2449. 2450. 2451. 2452. 2453. 2454. 2455. 2456. 2457. 2458. 2459. 2460. 2461. 2462. 2463. 2464. 2465. 2466. 2467. 2468. 2469. 2470. 2471. 2472. 2473. 2474. 2475. 2476. 2477. 2478. 2479. 2480. 2481. 2482. 2483. 2484. 2485. 2486. 2487. 2488. 2489. 2490. 2491. 2492. 2493. 2494. 2495. 2496. 2497. 2498. 2499. 2500. 2501. 2502. 2503. 2504. 2505. 2506. 2507. 2508. 2509. 2510. 2511. 2512. 2513. 2514. 2515. 2516. 2517. 2518. 2519. 2520. 2521. 2522. 2523. 2524. 2525. 2526. 2527. 2528. 2529. 2530. 2531. 2532. 2533. 2534. 2535. 2536. 2537. 2538. 2539. 2540. 2541. 2542. 2543. 2544. 2545. 2546. 2547. 2548. 2549. 2550. 2551. 2552. 2553. 2554. 2555. 2556. 2557. 2558. 2559. 2560. 2561. 2562. 2563. 2564. 2565. 2566. 2567. 2568. 2569. 2570. 2571. 2572. 2573. 2574. 2575. 2576. 2577. 2578. 2579. 2580. 2581. 2582. 2583. 2584. 2585. 2586. 2587. 2588. 2589. 2590. 2591. 2592. 2593. 2594. 2595. 2596. 2597. 2598. 2599. 2600. 2601. 2602. 2603. 2604. 2605. 2606. 2607. 2608. 2609. 2610. 2611. 2612. 2613. 2614. 2615. 2616. 2617. 2618. 2619. 2620. 2621. 2622. 2623. 2624. 2625. 2626. 2627. 2628. 2629. 2630. 2631. 2632. 2633. 2634. 2635

792

1940

1890

1910

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 अथ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

卷一百一十五

[illegible]

[illegible]

1918

1991

१२५
 १२६
 १२७
 १२८
 १२९
 १३०
 १३१
 १३२
 १३३
 १३४
 १३५
 १३६
 १३७
 १३८
 १३९
 १४०
 १४१
 १४२
 १४३
 १४४
 १४५
 १४६
 १४७
 १४८
 १४९
 १५०
 १५१
 १५२
 १५३
 १५४
 १५५
 १५६
 १५७
 १५८
 १५९
 १६०
 १६१
 १६२
 १६३
 १६४
 १६५
 १६६
 १६७
 १६८
 १६९
 १७०
 १७१
 १७२
 १७३
 १७४
 १७५
 १७६
 १७७
 १७८
 १७९
 १८०
 १८१
 १८२
 १८३
 १८४
 १८५
 १८६
 १८७
 १८८
 १८९
 १९०
 १९१
 १९२
 १९३
 १९४
 १९५
 १९६
 १९७
 १९८
 १९९
 २००

[illegible]

३१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

पुष्पवत्सलम् ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

591

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script)

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीभक्तप्रसादपद्ये ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint handwritten text at the top of the page]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ २ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ३ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ४ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ५ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ६ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ७ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ८ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ ९ ॥
 देवदत्तः प्रह्लादः सुप्रसन्नः । ॥ १० ॥

五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य दण्डवत्प्रणम्य ॥ उवाच ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥
श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ११ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १२ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुनस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २० ॥

[illegible]

पुस्तकस्य नामः श्रीमद्भगवद्गीता । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ।
अर्जुन उवाच । पाशेन बन्धितोऽस्मि त्वामाश्रित्य हतचित्तः ।
कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा
वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् ।
कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा
वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् ।
कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा
वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् । कुरुष्व माम्हा वीर्यवान् ।

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No.

[illegible]

1945

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । कथं वदामि त्वत्परात्मनः ।
परित्यज्य मया यत्किंचिद्भक्त्या प्रसाद्यते । तस्मात्तु
प्रसादात्तु भगवन्मया प्रसाद्यते । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवा-
दे शल्यो नामाष्टमोऽध्यायः ॥

卷之六

21

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of Sanskrit or Hindi script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1861

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

1940-1941

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ द्रुपदो वीर्यवान्
 भीमप्रह्लादसमन्वितः ॥ १ ॥ धृष्टकेतुश्चेकितानः
 शल्यद्रुपदामात्यौ जयद्रथाश्वत्थमा ॥ २ ॥ सुभिसह-
 द्रोऽर्जुनसमन्वितः ॥ ३ ॥ विक्रान्तः पुत्रपुंगवः
 शैब्यश्चास्त्वयासेन ॥ ४ ॥ दुर्योधनसहिष्यः
 दुर्गमो रघुनाथः ॥ ५ ॥ सौमित्रस्तथासाधुः
 मद्राक्षयः प्रहलादा ॥ ६ ॥ त्रिविक्रान्तः पुरुजित्
 पराक्रमः प्रहोराजः ॥ ७ ॥ विभीषणश्चैव मेघ-
 दूतः ॥ ८ ॥ बलमहाबाहोः ॥ ९ ॥ निर्राद्यः
 क्षत्रियः ॥ १० ॥ अर्जुन उवाच । ॥ ११ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अस्माकं पाण्डुपुत्रो विराटश्चभीमार्जुनः ।
 युधिष्ठिराश्च द्रुपदश्चैव पाण्डवपुत्रो वीर्यवान् ॥
 भीमार्जुनसङ्घोऽश्वत्थामा द्रुपदश्चभीमसेनः ।
 धर्मधनुर्वीरश्चैव पाण्डवपुत्रो वीर्यवान् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अस्माकं पाण्डुपुत्रो विराटश्चभीमार्जुनः ।
 युधिष्ठिराश्च द्रुपदश्चैव पाण्डवपुत्रो वीर्यवान् ॥
 भीमार्जुनसङ्घोऽश्वत्थामा द्रुपदश्चभीमसेनः ।
 धर्मधनुर्वीरश्चैव पाण्डवपुत्रो वीर्यवान् ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥ ॐ द्रुपद उवाच ॥
 सौमंते नमस्ते नमः ॥ २ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ३ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ४ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ५ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ६ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ७ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ८ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ ९ ॥ ॐ धर्म उवाच ॥ १० ॥

[illegible]

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिः प्रवक्ष्यति मे वरदा ॥
 पश्यन्स्वर्गादिभिरात्मैश्वर्यैश्च श्रेष्ठैस्तथा ॥ तत्रैतान् विन्दन्त्येवमेव सारथी ॥
 कुरुष्व धर्मं युद्धं ह्यनुत्तरं न हि संशयः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥ तून्निशंक्रमामहे सैन्यध्वजः ॥ द्रुपद उवाच ॥ अस्माकं पांडवस्य च योद्धाः ॥ वीर्यवान्महाबलान्महाकुलान्महात्मनाम् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इत्युक्तं । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

अथ कृष्ण उवाच । अहं कुरुष्वमिह युधि । मामकाः पाण्डवाश्चैव । ॥ १ ॥

अथ कुरुष्वमिह युधि । मामकाः पाण्डवाश्चैव । ॥ १ ॥

अथ कुरुष्वमिह युधि । मामकाः पाण्डवाश्चैव । ॥ १ ॥

अथ कुरुष्वमिह युधि । मामकाः पाण्डवाश्चैव । ॥ १ ॥

अथ कुरुष्वमिह युधि । मामकाः पाण्डवाश्चैव । ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of a Sanskrit manuscript.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[Faint, illegible handwritten or printed text]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ ४ ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ ५ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ६ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ ७ ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ ८ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ९ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ १० ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ ११ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १२ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ १३ ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ १४ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १५ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ १६ ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ १७ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ १८ ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्वमोक्षदत्ता ॥ १९ ॥
सर्वमङ्गलमाय नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

634

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
 मामकाः पांडवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिराज्यं मे प्रसादात्प्राप्तवानि
 त्वया तन्मया विप्रबलवत् ।
 इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः पञ्चमोऽध्यायः ॥

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the main body of the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।
 कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः । कृष्णाय नमः ।

[illegible]

[illegible]

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page.]



24

123

12

1

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं तं द्रुपदमुनिं व्रजे ॥
 तं वदन्तं शृण्वन् श्रीकृष्णं तदा ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ॥
 कुरुक्षेत्रे भिक्षुं तं द्रुपदमुनिं व्रजे ॥
 तं वदन्तं शृण्वन् श्रीकृष्णं तदा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णु उवाच ॥ अथ ब्रह्मविष्णुमहेश्वरकृतं ब्रह्मसूत्रम् ॥
सर्वत्रात्मकं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वस्योत्पत्तिप्रदं ॥
सर्वस्योत्पत्तिप्रदं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वत्रात्मकम् ॥
सर्वत्रात्मकं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वस्योत्पत्तिप्रदम् ॥
सर्वस्योत्पत्तिप्रदं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वत्रात्मकम् ॥
सर्वत्रात्मकं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वस्योत्पत्तिप्रदम् ॥
सर्वस्योत्पत्तिप्रदं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वत्रात्मकम् ॥
सर्वत्रात्मकं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वस्योत्पत्तिप्रदम् ॥
सर्वस्योत्पत्तिप्रदं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वत्रात्मकम् ॥
सर्वत्रात्मकं ब्रह्म सर्वत्रोपस्थितं सर्वस्योत्पत्तिप्रदम् ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥
 इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥ इत्युक्तं श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥

श्रीमद्भागवतस्य ॥ १० ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint, illegible handwritten text]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of Sanskrit script.]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

आर्य समाज के प्रतिपादक

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1

123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100

सुपुत्रेण नृपः। तं यत्किञ्चन गुरुहणं कृतं विदमः। यत्किञ्चन मर्त्यस्य मरणादनुपपन्नं। अथ यत्किञ्चन
 विदितम्। अथ यत्किञ्चन विदितम्। अथ यत्किञ्चन विदितम्। अथ यत्किञ्चन विदितम्। अथ यत्किञ्चन विदितम्।

Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous page.

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

1870

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

[illegible]

[illegible]

291

১৯৪৭ খ্রিঃ ১৫ই আগস্ট তারিখে
 জাতিসংঘের সাধারণ পরিষদে
 বাংলাদেশের স্বাধীনতা ঘোষণা করা হয়।
 ১৯৭১ খ্রিঃ ৩রা মার্চ তারিখে
 বাংলাদেশ স্বাধীন হয়।

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[illegible]

[illegible]

अथ यद्वत्तु मेदिने मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने
मथैः के यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने मथैः के यद्वत्तु मेदिने
मथैः के यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने मथैः के यद्वत्तु मेदिने
अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने
अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने
अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने
अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने
अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने अथ यद्वत्तु मेदिने

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



14

100

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text appears to be bleed-through from the reverse side of the manuscript page. It contains various Sanskrit words and phrases, some of which are partially obscured by the main text.]

[illegible]

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

1291

१५३१ । विष्णुपदपञ्चकम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥३॥

उत्तर

विश्वविद्यालय

इति उपनिषद्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

संस्कृत-भाषायां पद्येषु प्रथमः सर्गः

34771-31-

五、

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

1900

1870

परिदूषणस्य अप्रत्यक्षबाधनं

सर्वे भूतानां परमात्मनो नमः

1907年
 1月

2009-2010

1555

॥ अथ देवप्रणामः ॥

५५५५५५५५

पुस्तकालय संख्या १२३४५६७८९०

१५३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1995

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

91

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to significant fading and blurring, the specific words are largely illegible. However, some fragments like "सर्वज्ञः सर्वशक्तिः" (Sarvajñaḥ sarvaśaktiḥ) can be discerned in the middle section.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the Sanskrit manuscript.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्चनम् ।
 कृष्णं ध्यायेत् पश्येत् स्पर्शयेत् श्रद्धया ।
 तदा मुक्तिरश्नुते सर्वदुःखप्रणाशनम् ॥

卷之六

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the age and quality of the scan, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ३ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १० ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuation of a historical document or manuscript.]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, written in a cursive style. The script is dark and appears to be ink on aged paper. The text is enclosed within a rectangular border.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. On the left margin, there are several vertical annotations or corrections written in smaller script. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense block of handwritten or printed text.]

221

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten Indic script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

51

25-10

247

१३५५

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1997

(The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side.]

20

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धमासीत् ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पांडवस्य तूष्णीं बभूवुः पराक्रमः ॥
 वीर्यवान् धर्मतस्तु योऽस्मिन् युधौ ॥
 शूरवीरः पश्यतां पांडवस्य वीरताम् ॥
 संपद्यमानं युद्धं द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुनस्यैवमेतद् वीर्यं विदुः समा ॥
 युधिष्ठिरस्य चैव महाबाहो वीरताम् ॥
 युद्धं द्रुपद उवाच ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धमासीत् ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पांडवस्य तूष्णीं बभूवुः पराक्रमः ॥
 वीर्यवान् धर्मतस्तु योऽस्मिन् युधौ ॥
 शूरवीरः पश्यतां पांडवस्य वीरताम् ॥
 संपद्यमानं युद्धं द्रुपद उवाच ॥
 अर्जुनस्यैवमेतद् वीर्यं विदुः समा ॥
 युधिष्ठिरस्य चैव महाबाहो वीरताम् ॥

[illegible]

संस्कृत-विश्वकोश

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वान्नमस्कृत्य ॥
 संपद्यमानः प्रसीद मे सुतन्त्राणि विनाशकाणि ॥
 ॥ इति श्रीभगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥

491

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[Faint, illegible handwritten text across the top of the page]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

...

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a calendar or astronomical text. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in horizontal lines across the page. There are some markings at the top that could be interpreted as a header or title. The paper appears aged and slightly discolored.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।

पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः
पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः पञ्चमः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

40

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten text.]

Handwritten marginal note in Devanagari script, oriented vertically on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, organized into approximately six horizontal lines within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or a classical Indian language. The text is written in a cursive style with some variations in ink density and character forms, typical of older handwritten manuscripts. The lines of text are roughly parallel and fill most of the central area of the page.

308



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

新刊

[Faint, illegible handwritten text]

॥ नमो भगवते ॥

॥ अनेदशास्य ॥ सुदुष्टसमगरेऽयमर्थोऽदुष्टः । दमोदरमहिषात्मापरा । अनेदशास्य ॥ सुदुष्टसमगरेऽयमर्थोऽदुष्टः । दमोदरमहिषात्मापरा । अनेदशास्य ॥ सुदुष्टसमगरेऽयमर्थोऽदुष्टः । दमोदरमहिषात्मापरा ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

विष्णुसूक्तप्रमाणम् । अथ विष्णुसूक्तम् ।

१५७९४०२५५०३

संस्कृत-विश्वकोषम् ।
संस्कृत-विश्वकोषम् ।
संस्कृत-विश्वकोषम् ।
संस्कृत-विश्वकोषम् ।
संस्कृत-विश्वकोषम् ।

॥ अथ परमेश्वरपदं ॥

1866

31

五言古詩

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

卷之四
 四庫全書
 經部
 詩經
 卷之四
 四庫全書
 經部
 詩經
 卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

卷之四 詩集 四

明倫彙編
家範典
孝行典
卷一百一十五

卷之五

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 कुरु मे प्रसादात् सर्वं श्रेष्ठं ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।
 कुरु मे प्रसादात् सर्वं श्रेष्ठं ।

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and the ink is dark. The text appears to be a mix of prose and possibly some verses or specific terminology. The first line starts with 'गुरु गुरु' and the last line ends with 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय'.

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular border. The script is dense and difficult to decipher due to its cursive nature and the age of the document. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते
 भवत्पुत्र ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ ४ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ ५ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ ६ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ ८ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ ९ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ १० ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ ११ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ १२ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ १३ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वक्ष्यते भवत्पुत्र ॥ १४ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्मात्सर्वदुःखसंहर ॥ १५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्चनम् ।
 कृष्णं ध्यायेत् ।
 कृष्णं ध्यायेत् ।
 कृष्णं ध्यायेत् ।

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 महाबाहो बभूवुर्धामात्यन्तकौरव्यसमाजितम् । त्वत्पुत्रस्तप्तकर्णस्तप्तविभो विक्रान्तम् ।

(The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 १ ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[The following text is extremely faded and largely illegible. It appears to be a list or index of items, possibly related to the library's collection, written in Devanagari script.]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Urdu or Persian, and is arranged in approximately 12 horizontal lines. The ink is dark, and the paper shows signs of aging and wear.

Vertical text on the left margin, possibly a page number or a reference mark.

[The image shows a page from an old manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the age and quality of the scan, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

पुनरिह पदार्थं देवसुखायै नमः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible. The ink appears dark on a light-colored background.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten or printed text.]

[illegible]

卷之四

2015-2016

卷之五

1954 1955 1956 1957

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring. It appears to be a dense collection of handwritten characters, possibly in Devanagari script.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

卷之六

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य दशैकादशोऽध्यायः ॥

अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
मां संन्यस्त मत्तं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
सर्वभूतहिते संजितो त्वं प्राज्ञापरिच्छितः
योधया महामना अभिरुद्धो जयन्तीषु ॥
अर्जुन उवाच ॥ पांडवस्य सौमित्रस्य हास्यं श्रुत्वा
हृदि मे व्यथितं प्रवक्ष्यामि वीर्यवान् ॥
उवाच ॥ सुविप्रश्च वीराश्चैव तेन गन्तव्यं मानवैः
तस्मात्त्वं ब्रूहि तान्मे मां च शृणु ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे अर्जुन उवाच ॥
पांडवस्य सौमित्रस्य हास्यं श्रुत्वा हृदि मे व्यथितं
प्रवक्ष्यामि वीर्यवान् ॥
उवाच ॥ सुविप्रश्च वीराश्चैव तेन गन्तव्यं मानवैः
तस्मात्त्वं ब्रूहि तान्मे मां च शृणु ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of handwritten notes.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कथं वदामि ते भगवन् ॥ अहम्भक्तिर्योगः ॥
 यत्किञ्चिद्दर्शितं त्वया मुनिर्ब्रह्मविदाभिः
 श्रद्धापूर्वकं मे कुरु ब्रह्मविद्यायां वासुदेव ॥
 ध्यानात्मिका विज्ञानात्मिका संपन्नतत्त्वता ॥
 प्रसादात्प्राप्नुयान्नमस्तस्मात्परमेश्वरे ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ। ...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्योऽष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ अहं कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं धीमतामहं विलोक्य ॥ अहं पाण्डुपुत्रं तव शिष्यं ॥ २ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ३ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ४ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ५ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ६ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ७ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ८ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ ९ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवे ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १० ॥

[illegible]

५३। अथ चतुर्विंशोऽध्यायः । अथ चतुर्विंशोऽध्यायः । अथ चतुर्विंशोऽध्यायः । अथ चतुर्विंशोऽध्यायः । अथ चतुर्विंशोऽध्यायः ।

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from another page.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with multiple lines of handwritten text in Devanagari script. The text is heavily faded and obscured by dark, irregular ink strokes or damage, making it largely illegible. Only faint traces of characters are visible through the noise.]



1997

[Faint, illegible handwritten text]

सिद्धिपदार्थसंज्ञा

1998

P. 89, 546, 4, 430, 600

10

[Faint, illegible handwritten text]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संस्कृत-विभाग

1992年12月15日

मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1917

1957 508

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1907-1908

सुन्दर

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2. *Staphylococcus aureus*

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

अथर्व ऋग्वेद यजुर्वेद सामवेद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ

2000

विद्यार्थी-संघ

[Faint, illegible handwritten text]

५५ सु सुदृष्टिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

25 26

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

44 45 46 47

344 卷之四

... 好 人 ...

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from another page.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a multi-line manuscript entry.)

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 २. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ३. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ४. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ५. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ६. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ७. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ८. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ९. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 १०. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

(The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten or printed script.)

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वमेकाग्रधीः प्रबुधतया
 वारता ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1251

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरेषु बद्धवानहं धीमताम् ।
उवाच । कुरुपुत्र ! त्वं द्रुपदमुनिपुत्रोऽस्मिन् ।
द्रुपद उवाच । अहं ह्यहं वन्द्यामृतमिव ।
अर्जुन उवाच । मया हि त्वं द्रुपदमुनिपुत्र ।
उवाच । अहं ह्यहं वन्द्यामृतमिव ।
अर्जुन उवाच । मया हि त्वं द्रुपदमुनिपुत्र ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

291

10. 11. 1954

... ..

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे शूराध्याये अष्टमोऽध्यायः ॥

... ..

779

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 मामकाश्च पांडवाश्चैव किमकुर्वत ॥
 संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.)

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धस्य प्रारम्भः ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पांडवस्य सखीकायाः पश्यतां महामुखाः
 धर्मध्वजाग्रतस्तथा तस्मात्पश्यतां वराः ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

श्री गुरु नानक देव जी महाराज की आज्ञा से
 यह पुस्तक लिखी गई है। इसमें अनेक प्रकार के
 कर्मों का वर्णन है। जो कि भगवान् को प्रसन्न करवा-
 देंगे। और जिससे हमें मोक्ष प्राप्त होगा।
 इस पुस्तक में अनेक प्रकार के उपाय बताए गए हैं।
 जिनसे हम अपने मन को शांत रख सकते हैं।
 और अपने जीवन में सुख प्राप्त कर सकते हैं।
 इस पुस्तक को पढ़कर हमें अपने आपको
 परमात्मा के चरणों में समर्पित करना चाहिए।
 और उसकी आज्ञा माननी है।
 श्री गुरु नानक देव जी महाराज की आज्ञा से
 यह पुस्तक लिखी गई है।

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No. 1

1916-1917

935435

NSA

15

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to significant fading and blurring, the specific words and phrases are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

अथ श्रीमद्भगवत्पुस्तके श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥ अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ २ ॥
कुरुपुत्र उवाच ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ११ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १२ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १६ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १८ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २० ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २१ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २२ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २४ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २८ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादनम् ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रोतुं तव प्रवक्तुं मया ॥
 महामुनिःषण्डितः शिरो हस्तं धारयन् संजय ॥
 संपश्यन् बभूवुर्जनानां भवत्प्रसादाद्भवद्दर्शनम् ॥
 तत्रैकात्म्यं विलोक्य निश्चला इमास्त्विति ॥
 स्थिता विद्वन्मया श्रोतुं तव प्रवक्तुं मया ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां श्रोतुं तव प्रवक्तुं मया ॥
 महामुनिःषण्डितः शिरो हस्तं धारयन् संजय ॥
 संपश्यन् बभूवुर्जनानां भवत्प्रसादाद्भवद्दर्शनम् ॥
 तत्रैकात्म्यं विलोक्य निश्चला इमास्त्विति ॥
 स्थिता विद्वन्मया श्रोतुं तव प्रवक्तुं मया ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वकल्याणकरा सर्वसुखकरा ॥ ४ ॥
सर्वमङ्गलकरा सर्वविघ्नहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्वशत्रुघ्नकरा सर्वदुष्टहर्त्रा ॥ ६ ॥
सर्वसुखकरा सर्वसुखकरा ॥ ७ ॥
सर्वसुखकरा सर्वसुखकरा ॥ ८ ॥
सर्वसुखकरा सर्वसुखकरा ॥ ९ ॥
सर्वसुखकरा सर्वसुखकरा ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading and bleed-through from the reverse side of the page. It appears to be a continuation of the Sanskrit text found in the other pages.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनसंवादे ॥ १ ॥ द्रुपद उवाच ॥
 सौम्यं वदस्व मे भगवन् ॥ शृणुमिह तव वचनम् ॥
 कुरुक्षेत्रे भवत्युद्धातः ॥ पाण्डवैरुत्तमैश्चरितः ॥
 द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ अर्जुनस्य चित्तं ॥
 भगवन् प्रसीद मे ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed in a double-line border.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in several lines. The ink is dark, and the paper shows signs of age and wear.

Vertical text on the left margin, possibly a page number or a reference mark.

[illegible]

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to significant fading and blurring, the specific words and sentences are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript or a page from a book. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and the ink is dark. The text appears to be a mix of Sanskrit and Hindi. The first line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The second line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The third line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The fourth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The fifth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The sixth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The seventh line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The eighth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The ninth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva). The tenth line starts with 'सर्व' (Sarva) and ends with 'सर्व' (Sarva).

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

51

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[illegible]

卷之四
 四庫全書
 詩經
 卷之四
 四庫全書
 詩經
 卷之四

[illegible]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Due to significant fading and blurring, the specific words and phrases are illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

[illegible]

51

100

1. *Phragmites australis* (Cav.) Trin. ex Steud.

[illegible]

इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥ १८ ॥

दशमः विष्णुः

॥ १५५५ ॥

॥ अथ विष्णु उवाच ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

संस्कृत-विभाग

मानस २५ अंश पूर्यते।

देवसंस्कृतपत्रावली

॥ अथ शिवसंज्ञा ॥

1907

1950-1951

750245

1

सिद्धयन्त्रसूत्रसंज्ञा

पञ्चमः अथ पञ्चमः

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1997

2000年1月1日

133888

दुर्गादेवता

[illegible]

1924

10

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

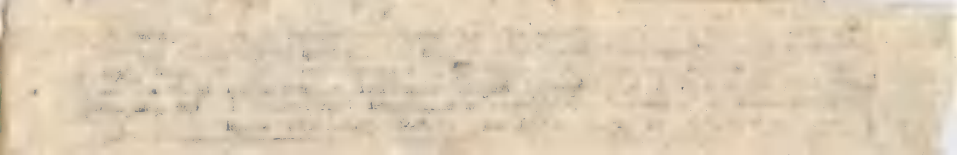
1997

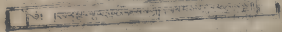
1900

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1940

1997-1998





卷之四

[illegible]

[illegible]

2162

विष्णुपञ्चकम। विष्णुपञ्चकम। विष्णुपञ्चकम। विष्णुपञ्चकम। विष्णुपञ्चकम।

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

— 92 —

[illegible]

[illegible]

(Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

21

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

1870-1871

1954年4月25日

1954年4月21日

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

सुदयेर्निर्जहन्नुगलस्यव्ययम्।

蘇軾詩集卷之五

1957年5月24日

महाराष्ट्र राज्य सरकार

1957-58

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

5103 311 11762 2535

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥

विद्यया भूषणं ददति ।

འབྲུག་རྒྱལ་ཁབ་ཀྱི་སྤྱི་ཚོམ་

सुखदुःखद्वयम् ।
सुखदुःखद्वयम् ।

1955年12月15日

1949年12月1日

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्री १०८ श्री गणेशाय नमः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十、二十一、二十二、二十三、二十四、二十五、二十六、二十七、二十八、二十九、三十、三十一、三十二、三十三、三十四、三十五、三十六、三十七、三十八、三十九、四十、四十一、四十二、四十三、四十四、四十五、四十六、四十七、四十八、四十九、五十、五十一、五十二、五十三、五十四、五十五、五十六、五十七、五十八、五十九、六十、六十一、六十二、六十三、六十四、六十五、六十六、六十七、六十八、六十九、七十、七十一、七十二、七十三、七十四、七十五、七十六、七十七、七十八、七十九、八十、八十一、八十二、八十三、八十四、八十五、八十六、八十七、八十八、八十九、九十、九十一、九十二、九十三、九十四、九十五、九十六、九十七、九十八、九十九、一百。

द्वयं द्वयं द्वयं द्वयं

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥

卷之四

[illegible]

१५२३

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1957 1958 1959

1954年12月

1955

1950 1951

॥ अथ दण्डविषयनिर्णयः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५५। प्रत्येक पक्षे एकैव

[illegible]

1957 12 27

5/17/1944

2027 1375

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ।
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ।
 मामका पांडवाश्चैव किमकुर्वत सन्मया ।
 अर्जुन उवाच ।
 द्रुपदमुनिराज्यं तव प्रियं ।
 पांडवो ज्ञातुं मे मम नाममात्रम् ।
 अथ द्रुपद उवाच ।
 वन्द्योऽसौ महाबलः ।
 अर्जुन उवाच ।
 पांडवस्य परीक्षित उवाच ।
 अथ द्रुपद उवाच ।
 अथ द्रुपद उवाच ।

[illegible]



॥ विद्यार्थेन्द्रोदयसमस्त ॥ अथारविशमकुत्राय ॥ ३ ॥

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

三

1231

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

13/3/81 24257

[illegible]

अथर्ववेदः

[illegible]

सुप्रसन्न

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom of the page]

詞林典故

[illegible]

पञ्चमः

1873

सुखं यः ॥ यः सुखं यः

३५१३॥

॥ अथ प्रहसनसुखमयिनेच्छासर्वे ॥



ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



विष्णु

गणेश

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

विष्णु गणेश

ॐ

सुपदंभ

महाराष्ट्रम् ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

25

UNCLASS

अहं हृदयम् ।

अथ यथादिक्कुम्भः

[illegible]

विषयः

545

趙孟頫

354391

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगुरुदेवस्य नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

জুনি

91

रि. रि. - अथवा । अथवा ।

5/31/91

Chlorophyll

15/04/2014

अथर्वः

पुष्प-पत्र

विद्ये विद्ये विद्ये

अथवा

पञ्चांगमुद्रादमुद्राद्वयवर्णनम्।

पञ्चमः

장학금

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

561

BP 5158

2019

1515754

70451

張

CHRYSLER

545

13

॥ अष्टाष्टदशमः ॥

३। अथ मन्त्रः ॥

048349

Figure 1

70

1947-1948

44

১৯৭৬

54

1994

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997

15-00000

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

1894

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

| | | | |
|----|----|----|----|
| 44 | 45 | 46 | 47 |
|----|----|----|----|

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]



(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

ॐ

विष्णुसूक्त

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

विष्णुसूक्तम्

ॐ

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

विष्णुसूक्तम्

उक्तम्

陳子昂

इन्द्राय नमः ॥

१०५ अथ सप्तमः

असुखसहस्रम् ।

दशमोऽध्यायः ॥

२१७४
१५७४

समुद्रो वैश्वदेवः

चैत्रेयस्य सूत्रम् २५

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

三

॥ ईश्वरस्यै नमः ॥

॥ ५ ॥

१७ दिनांक ८ मई
बदला हुआ है यथा

विद्यया विमुक्तये

१२०-४९७८३७

ST. JOHN'S COLLEGE

— ۱ —

TABLE 2

卷之四

...

[illegible]

द्वितीयः प्रश्नः

201

1997

... ..

1990

10

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

[illegible]

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

अथवाः

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

३६५

अथैकं

अथैकं

अथैकं

अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

अथैकं अथैकं अथैकं

[illegible]

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]


 文部科学省

विष्णुसहस्रनाम

卷之四

मन्त्रः ॥

अथ यथासंभवमप्युच्यते

阿婆

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पञ्चमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखं भवति यथा मयि तथैव सर्वेषामपि

दण्डावधिपदं विद्वत्पुत्र

五

नरि नरि मय्युपस्थिता

405101

॥ अथ श्रीगणेशस्तोत्रम् ॥

मन्त्र-प्रवृत्ति-प्रवृत्ति

५१७७

45

1994

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पञ्चमः अथ वरा

सुखं विना न भवति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

55

35

सुखं सुखं सुखं सुखं ।

四、

सुखदुःखानां च भेदो न विद्यते



五、

महाराष्ट्र

[illegible]

1904

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

不刊之論

१५०१ वर्ष १०५-१०५५

हृत्पुष्पलं संसृज्यं

附錄

377

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1545



9500

157

५५५३।

253595

1987-1988

पुनर्वसुपुत्रपुत्र

SECRET

५५

明倫彙編
家範典

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

1907

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

1950-1951

2000

000000

SECRET

1944

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

1999

李鴻章

—

44-38861-2

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीरामाय नमः ।
 श्रीलक्ष्मणे नमः ।
 श्रीबाल्याय नमः ।
 श्रीहनुमान्यै नमः ।
 श्रीगणेशाय नमः ।
 श्रीविष्णवे नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।
 श्रीब्रह्माय नमः ।
 श्रीमहादेवाय नमः ।
 श्रीनारायणाय नमः ।
 श्रीधर्मराजाय नमः ।
 श्रीपद्मनाभाय नमः ।
 श्रीचक्रपात्राय नमः ।
 श्रीदशभुजाय नमः ।
 श्रीअष्टभुजाय नमः ।
 श्रीचतुर्भुजाय नमः ।
 श्रीत्रिभुजाय नमः ।
 श्रीदिग्भुजाय नमः ।
 श्रीसर्वभूषायाय नमः ।
 श्रीसर्वदाताय नमः ।
 श्रीसर्वकर्त्रे नमः ।
 श्रीसर्वज्ञाय नमः ।
 श्रीसर्वेश्वराय नमः ।
 श्रीसर्वप्रसादाय नमः ।
 श्रीसर्वलोकपालाय नमः ।
 श्रीसर्वमङ्गलाय नमः ।
 श्रीसर्वार्थदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वकल्याणाय नमः ।
 श्रीसर्वसौख्यदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसम्पत्तिदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसुखदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसन्तोषदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसन्निधाय नमः ।
 श्रीसर्वसंगी नमः ।
 श्रीसर्वसखाय नमः ।
 श्रीसर्वसहयोगी नमः ।
 श्रीसर्वसहाय्यदात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसंरक्षणाय नमः ।
 श्रीसर्वसुरक्षादात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसुखानन्ददात्रे नमः ।
 श्रीसर्वसुखानन्ददात्रे नमः ।

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

95

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

44 5 3 2 1 0 9 8 7 6 5 4 3 2 1 0

इति पञ्चमः सर्गः

REVISED

55384

द्वयः स्यात् उक्तं यः

अथ भूतलस्य भूतलस्य भूतलस्य

॥ पृथ्वीरूपं दृष्ट्वा तत्रैव स्थितुं प्रवृत्तः । तत्रैव स्थितुं प्रवृत्तः । तत्रैव स्थितुं प्रवृत्तः ।

सुखं विना विदुः

自

554

五、

सूत्र

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

五、

सुदृढवर्धन

दुष्कृतं विवर्धय

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

[The image shows a page from an old manuscript with handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in several horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are some faint markings or bleed-through visible at the bottom of the page.]

[illegible]

५३६

७७।

गण्डा कृष्णसिंहः। विष्णुः। यक्षः। विष्णुः। यक्षः। विष्णुः। यक्षः। विष्णुः। यक्षः।

यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः।

यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः।

यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः।

यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः।

यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः। यक्षः।

॥ १ ॥

सुखमेवमप्युक्तं ।

वैकुण्ठपुराणे ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

मन्त्रादप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

॥ २ ॥

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

॥ ३ ॥

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

॥ ४ ॥

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

सुखमेवमप्युक्तं ।

張大猷

卷之四

224

241

4259

१३३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुविधापूर्वकम्

२५५

विष्णुसहस्रनाम

५२५२

卷之五

१९९५

55291

3431

अथ चरितं समाप्तम् ।

[illegible]

महामातुः

343

15

संस्कृत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

卷之四

३. विष्णुसूक्त

क्या

मन्त्रः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महोदयः प्रत्यक्षः प्रत्यक्षः

सत्यमेव जयते

中国书画函授大学

645

三、

五

दशमः स्कन्धः

附錄

○

143-5551

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

सुदृढाङ्गः सुदृढाङ्गः

मङ्गलम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

१३५

1954

卷之五

३९।
 उद्यम सुदयसदयदिपुत्रकश्रुतयादुर्विषुपद्रव्यपङ्क्तये ईकं
 श्रुतकेरदपद्रु। पुत्रकश्रुतया।
 श्रुतपद्रुपणे अर्थकश्रुतया। पुत्रकश्रुतया।
 मीरिपद्रुका। मीरिपद्रुका।
 मीरिपद्रुका। मीरिपद्रुका।

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

۱۰۰

1257481

1955年5月31日

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सुखदुःखम् ।

॥ १॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मृत्युदंडमयिष्यमाणः

सप्तमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

बुद्धिमान् बुद्धिमान् बुद्धिमान् बुद्धिमान् बुद्धिमान्

2015/201

पुनर्वसुः ।

5731

1950

बहुदश।

卷之四

सुयज्ञी १५५



सुप्रसन्नोऽसि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

UNCLASSIFIED

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुण्यसंग्रहस्य

सु. म. उपनिषद् अथवा उपनिषद्

命

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

25/11/2012

825794551

1997

2015年12月

五

52744

1940

60-10747-108-10

1941

1935-1936

2

581

सं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सहस्रसुखाय

इति श्री...

卷之四

41

五、

2577

27-3-1947

१५५५
१५५५

विषयः अथवा विषयः

तत्त्वार्थसंग्रहः।

सुखी हिन्दु विश्व में प्रख्यात।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५०६५५०५

91.

पुष्प

सुदृढः सार्वभौमः।

1525

॥ ५५ ॥ सायं पश्यत ।

1828

१९५५-५६

[illegible]

३५५

न स्यात्पुनरुक्तं

सुपयदेवमशदपहेनदुदगायकद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

557-24

45581

5-97551

UN 3379

1992

454971

50591

सप्तमः

[illegible]

सुख-प्रशस्त्यः परमं

[illegible]

57

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

CHINESE



—

पदे।

सद्व्यवस्था

विष्णुस्मृतये

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

534

५५५५५५

कवि

91

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

पुनः प्रकृत्यैव

पुनः पुनः पुनः पुनः

[illegible]

१५५५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

三、

संगसक्यवदयेकिसुख्य

35421

五、

...

24

1700

अथवासश्चन्द्रः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

५३। ...
...
...
...

